>

Title: Need to set up Kendriya Vidyalayas in all the Parliamentary onstituencies and increase the quota of seats recommended by MPs for admission to schools.

श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ0प्र0) : अध्यक्ष महोदय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा माननीय सांसदों को केन्द्रीय विद्यालयों में बच्चों के प्रवेश हेतु दो कूपन प्रतिवर्ष उपलब्ध कराये जाते हैं जिनकी सिफारिश पर लोक सभा एवं राज्य सभा के माननीय सांसद अपने संसदीय क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय विद्यालयों में दो बच्चों का प्रवेश करा सकते हैं। परन्तु लोक सभा के जिन माननीय सांसदों के संसदीय क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय नहीं हैं, उस क्षेत्र की जनता को इस सुविधा से वंचित कर दिया गया है। जिस कारण लोक सभा के ऐसे माननीय सांसदों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। एक तो उनके संसदीय क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय की सुविधा नहीं है। दूसरे उन्हें कूपन के माध्यम से केन्द्रीय विद्यालय में बच्चों के प्रवेश की सुविधा से भी वंचित कर दिया गया जो न सिर्फ उन माननीय सांसदों के विशेषाधिकार का हनन है बल्कि उस क्षेत्र की जनता के साथ भी घोर अन्याय है। अतः ऐसे संसदीय क्षेत्रों में माननीय सांसदों की अनुशंसा पर प्राथमिकता के आधार पर नियमों को शिथिल करते हुए अनिवार्य रूप से देश के प्रत्येक जनपद में केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना की जाये।

राज्य सभा के सदस्य जिस राज्य से चुनकर आते हैं, वह कूपन के द्वारा उस राज्य के किसी भी केन्द्रीय विद्यालय में बच्चों का प्रवेश करा सकते हैं।

अतः सदन के माध्यम से मेरा माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से अनुरोध है कि जिन माननीय सांसदों के संसदीय क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय नहीं हैं, उन संसदीय क्षेत्रों में माननीय सांसदों की अनुशंसा पर केन्द्रीय विद्यालय खोले जायें तथा जब तक केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना नहीं हो पाती तब तक उन सांसदों को कूपन के आधार पर उस राज्य के किसी भी केन्द्रीय विद्यालय में बच्चों के प्रवेश की अनुमति राज्य सभा सांसदों की तरह वर्तमान सत्र से प्रदान की जाये एवं कूपन की संख्या कम से कम 10 की जाये।